Info Cell

Publication	Rajasthan Patrika	Date	26.06.2015
Edition	Udaipur	Page	08

लेकसिटी के एंटरप्रेन्योर कॉरपोरेट जॉब छोड़ युवाओं की स्टार्टअप्स स्थापित करने में कर रहे मदद

आइडिया-अनुभव मिला तैयार हो रहे जॉब क्रिएटर्स

देश के 13 स्टार्टअप्स को दे रहे मार्गदर्शन व सहयोग

plus रिपोर्टर
plusreporter@patrika.com

दीपक मेनारिया

उदयपुर. जिंदगी के दो दशक कॉरपोरेट में जीने और एक ऊंचे मुकाम पर पहुंचने के बाद अचानक ही कॉरपोरेट कॅरियर से खुद को बाहर निकाल लिया। इसके बाद ऐसा काम शुरू किया जो देश के युवाओं को स्टार्टअप्स स्थापित करने में पूरा मार्गदर्शन व सहयोग करता है। कम्पनी का उद्देश्य केवल जॉब क्रिएटर्स तैयार करना है। यह काम कर रहे हैं उदयपुर के एंटरप्रेन्योर दीपक मेनारिया। दीपक पिछले दो सालों से देश के 13 स्टार्टअप्स को मार्गदर्शन देने और खड़ा करने में भूमिका निभा चुके हैं। उनका मानना है कि कोई भी स्टार्टअप शुरू करने के पीछे एक अच्छा आइडिया होना चाहिए, वे केवल इसमें अपने अनुभव को मिला देते हैं। वे स्टार्टअप्स को मेंटोर करने के लिए किसी तरह की फीस नहीं लेते हैं। वे मूलतः उदयपुर से हैं और स्कूली शिक्षा यहीं से हुई। वे 1993 में कम्प्यूटर इंजीनियरिंग करने के लिए नागपुर आए थे। उन्हें अच्छी जॉब अपॉर्च्युनिटीज मिलीं तो वे यहीं बस गए। उन्होंने लेमब्रेंट टेक्नोलॉजी में काम किया, वे कम्पनी के वाइस प्रेसिडेंट थे। वर्ष 2012 में उन्होंने इस जॉब को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। कुछ समय का ब्रेक लिया और आईआईएम अहमदाबाद से कोर्स किए। इसके बाद एक नई ऊर्जा व विचार के साथ 'लेमन आइडिया' कम्पनी शुरू की। उन्होंने बताया कि युवाओं के पास काम करने का जज्बा व प्रतिभा है, लेकिन उस अनुरूप परिणाम नहीं मिल पाते। ऐसे में वे उन्हें प्रोत्साहित करते हैं, नए वेंचर्स शुरू करने में। उनकी कोशिश जोखिम को कम करने की रहती है। पिछले दो साल में वे मुंबई के 2, बेंगलूरु के 2, इंदौर के एक और बाकी के नौ नागपुर के स्टार्टअप्स को स्थापित करने में मार्गदर्शन व सहयोग दे चुके हैं। उन्होंने हाल ही लेमन स्कूल ऑफ एंटरप्रेन्योर की स्थापना भी की है। जिसमें वे विचार व अनुभव का मेल करा कर काम करते हैं। इसमें भारतीय प्रबंधन संस्थान जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़े विशेषज्ञों का सहयोग है।